भारत मे यूरोपीय शक्तियो का आगमन

डचों का आगमन

भारत आने वाला प्रथम डच व्यक्ति =>

1596 => हाउटमैन

1602 - डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी - भारत मे आगमन

(जावा, सुमात्रा, मलाया)

भारत मे डचो की प्रथम व्यापारिक कोठी ⇒ 1605

मुसलीपट्टनम

1623 - अंग्रेजो को इण्डोनेशिया से भगा दिया

IMP

ईस्ट इण्डिया कम्पनी

(ब्रिटेन)

31 दिस. 1600 ⟹ ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना।

पूर्वी देशों के साथ व्यापार करने का एकाधिकार

भारत आने वाला प्रथम अंग्रेज :- थॉमस स्टीफेन्स (1579)

जेम्स प्रथम :- राजदूत भेजा - 1608 ⟹ कैप्टन हॉकिन्स

भारत मे शासन → जहाँगीर

इसे व्यापार की स्वीकृति नही मिली

जेम्स I ⇒ राजदूत ⇒ 1615 ⇒ टॉमस रो

जहाँगीर के दरबार मे आया

व्यापार की स्वीकृति प्रदान कर दी

भारत मे अंग्रेजो की प्रथम व्यापारिक कोठी :- सुरत (1608)

1632 – गोलकुण्डा के सुल्तान ने अंग्रेजो को गोलकुण्डा बन्दरगाह से व्यापार करने की स्वीकृति

1639 ⇒ चन्द्रगिरी से मद्रास का पट्टा लेकर मद्रास मे अंग्रेजो ने अपना कारखाना स्थापित कर दिया।

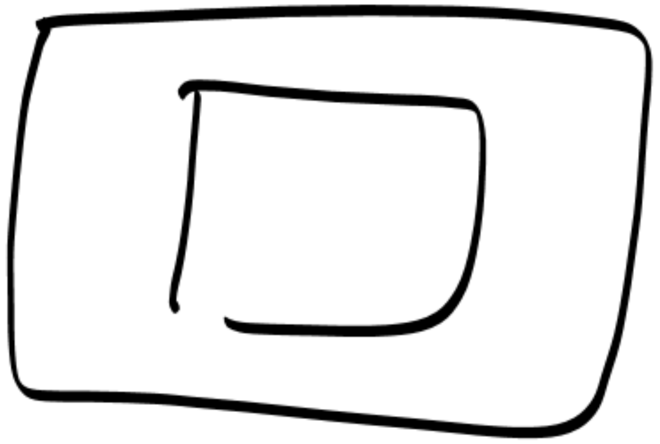

मद्रास मे सेंट जॉर्ज किले का निर्माण

ब्रिटेन का राजा ⇓ चार्ल्स II ⇐ संग ⇒ कैथरीन ⇑ पुर्तगाल की राजकुमारी

⇓ का विवाह

1661 ⇒ में

पुर्तगालियों ने बंबई दहेज में दे दिया।

1668 ⇒ ब्रिटेन के राजा ने ईस्ट इण्डिया कम्पनी को बंबई किराए पर दिया।

→ 10 पौण्ड / वार्षिक

बंगाल

अंग्रेजो को भारत मे सर्वप्रथम व्यापारिक छूट :– 1651

जहाँगीर के पुत्र शुजा द्वारा

1651 – बंगाल मे हुगली मे व्यापारिक कोठी स्थापित कर दी।

1672 – शाइस्ता खाँन
1680 – औरंगजेब

] – इनसे व्यापारिक रियायत प्राप्त हो गयी।

1698 – तीन गाँव ⇒ सुतानती, कलाकता, गोविन्दपुर

ई.इ.क. को प्राप्त हो गए

1700 ई. जॉब चार्नॉक ने कलकत्ता को विकसित किया

कलकत्ता मे फोर्ट विलियम का निर्माण

1717 => मुगल बादशाह => फर्रुखशियर

अंग्रेज डाक्टर ने इलाज किया।

फरमान जारी कर दिया।

Magna Carta

(महाफरमान)

3000 रु बार्षिक के बदले सम्पूर्ण बंगाल मे मुक्त व्यापार करने की अनुमति मिल गयी

बंगाल का नवाब ⇒ सिराजुद्दौला

1757 ई. प्लासी का युद्ध

कारण :- ① इ.इ.कं. द्वारा कर न देना

② सिराजुद्दौला का अपमान

③ इ.इ.कं. पर बंदीशे लगा दी

प्लासी का युद्ध (1757)

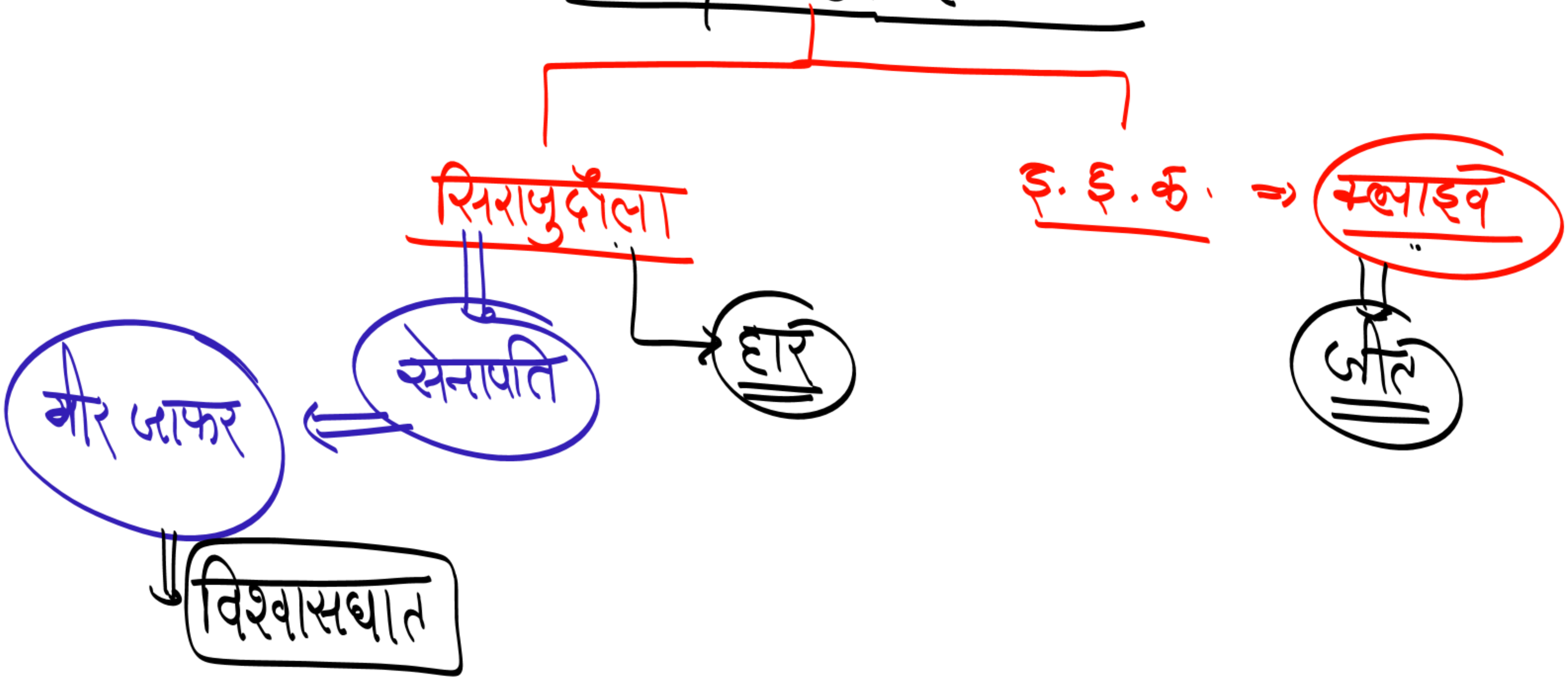

बंगाल का नया नवाब => मीर जाफर

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING